



Rahul



Hh

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121130201

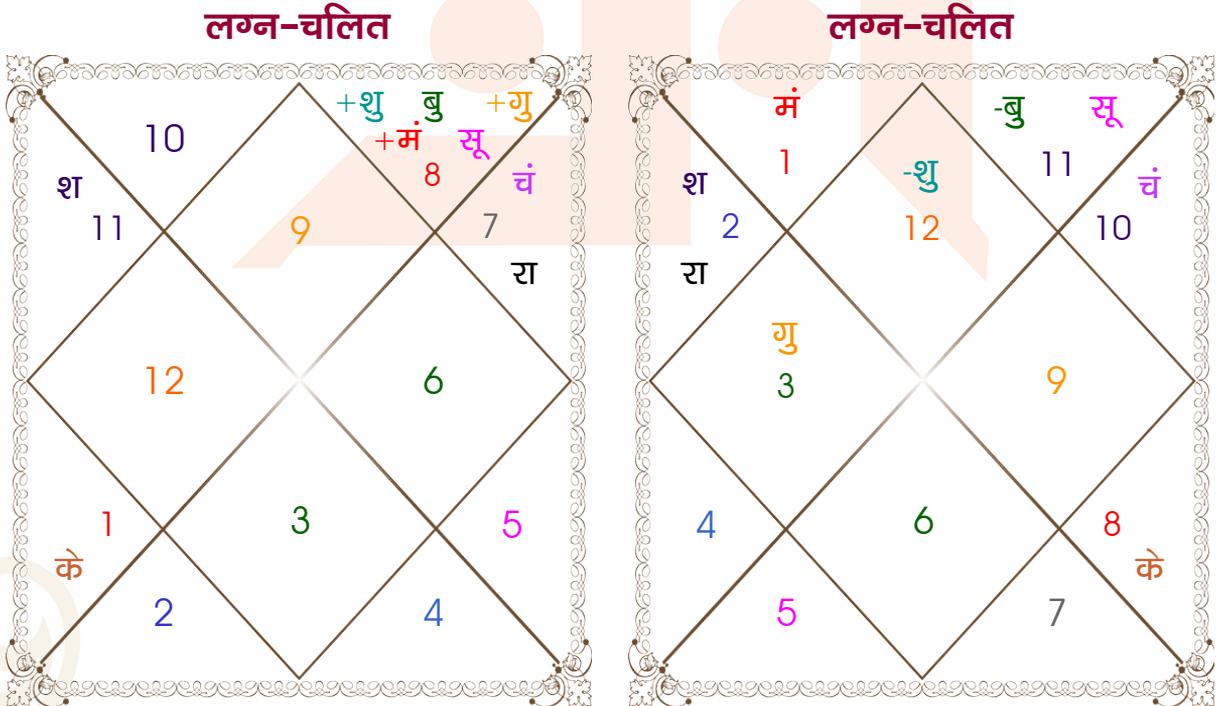
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
21/11/1995 :	जन्म तिथि	: 10/03/2002
मंगलवार :	दिन	: रविवार
घंटे 09:05:00 :	जन्म समय	: 08:10:00 घंटे
घटी 05:41:46 :	जन्म समय(घटी)	: 03:51:59 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Delhi
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:48:17 :	सूर्योदय	: 06:37:12
17:25:24 :	सूर्यास्त	: 18:26:13
23:48:04 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:52:59
धनु :	लग्न	: मीन
गुरु :	लग्न लग्नाधिपति	: गुरु
तुला :	राशि	: मकर
शुक्र :	राशि-स्वामी	: शनि
स्वाति :	नक्षत्र	: श्रवण
राहु :	नक्षत्र स्वामी	: चन्द्र
3 :	चरण	: 1
सौभाग्य :	योग	: परिघ
विष्टि :	करण	: कौलव
रो-रोहित :	जन्म नामाक्षर	: खी-खिली
वृश्चिक :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन
शूद्र :	वर्ण	: वैश्य
मानव :	वश्य	: जलचर
महिष :	योनि	: वानर
देव :	गण	: देव
अन्त्य :	नाड़ी	: अन्त्य
मृग :	वर्ग	: मार्जार

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 8वर्ष 2मा 17दि	03:24:32	धनु	लग्न	मीन	27:01:32	चन्द्र 8वर्ष 5मा 21दि
शनि	04:32:18	वृश्चि	सूर्य	कुंभ	25:27:40	राहु
08/02/2020	13:54:52	तुला	चंद्र	मक	12:01:52	31/08/2017
07/02/2039	29:05:48	वृश्चि	मंगल	मेष	12:06:34	31/08/2035
शनि 10/02/2023	03:20:55	वृश्चि	बुध	कुंभ	03:18:43	राहु 13/05/2020
बुध 20/10/2025	26:27:16	वृश्चि	गुरु	मिथु	11:51:30	गुरु 07/10/2022
केतु 29/11/2026	28:14:05	वृश्चि	शुक्र	मीन	08:39:23	शनि 12/08/2025
शुक्र 29/01/2030	24:11:40	कुंभ व	शनि	वृष	14:59:02	बुध 01/03/2028
सूर्य 11/01/2031	02:27:17	तुला व	राहु व	वृष	29:19:04	केतु 19/03/2029
चन्द्र 11/08/2032	02:27:17	मेष व	केतु व	वृश्चि	29:19:04	शुक्र 19/03/2032
मंगल 20/09/2033	03:35:21	मक	हर्ष	कुंभ	02:19:09	सूर्य 11/02/2033
राहु 27/07/2036	29:34:29	धनु	नेप	मक	16:01:23	चन्द्र 13/08/2034
गुरु 07/02/2039	06:36:28	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	23:42:53	मंगल 31/08/2035

व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

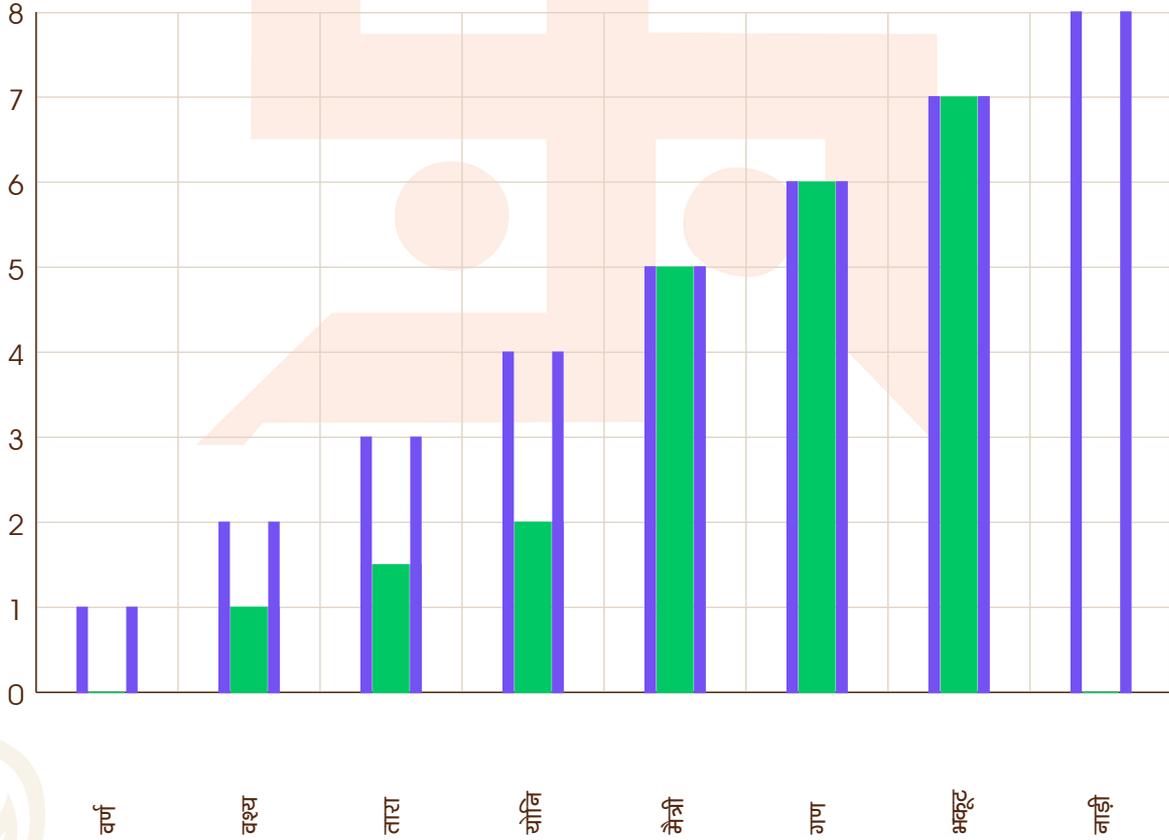
23:48:04 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:59



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>22.50</b>		

कुल : 22.5 / 36



## अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Hh का नक्षत्र श्रवण है।

Rahul का वर्ग मृग है तथा Hh का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rahul और Hh का मिलान औसत है।

### मंगलीक दोष मिलान

Rahul मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।**

**द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Rahul कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।**  
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्ट;डडमंगंवूदकमइ;0द्धत्र।द्धझ क्योंकि मंगल Rahul कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।**  
**न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Rahul कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Hh मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।**  
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

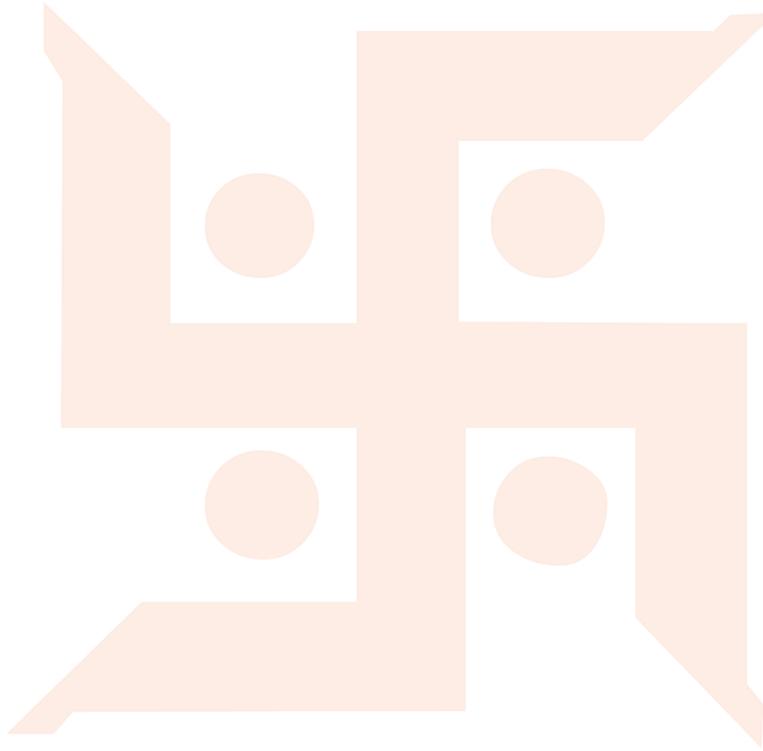
वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Hh कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rahul तथा Hh में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

Rahul का वर्ण शूद्र है तथा Hh का वर्ण वैश्य है। क्योंकि Hh का वर्ण Rahul के वर्ण से ऊंचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Hh अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह Hh अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

### वश्य

Rahul का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं Hh का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Rahul एवं Hh दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Hh अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Rahul अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

### तारा

Rahul की तारा विपत तथा Hh की तारा मित्र है। Rahul की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Rahul एवं Hh के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Hh हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Hh को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

### योनि

Rahul की योनि महिष है तथा Hh की योनि वानर है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है।

इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Rahul एवं Hh दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Rahul एवं Hh के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Rahul एवं Hh जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

### गण

Rahul का गण देव तथा Hh का गण भी देव है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

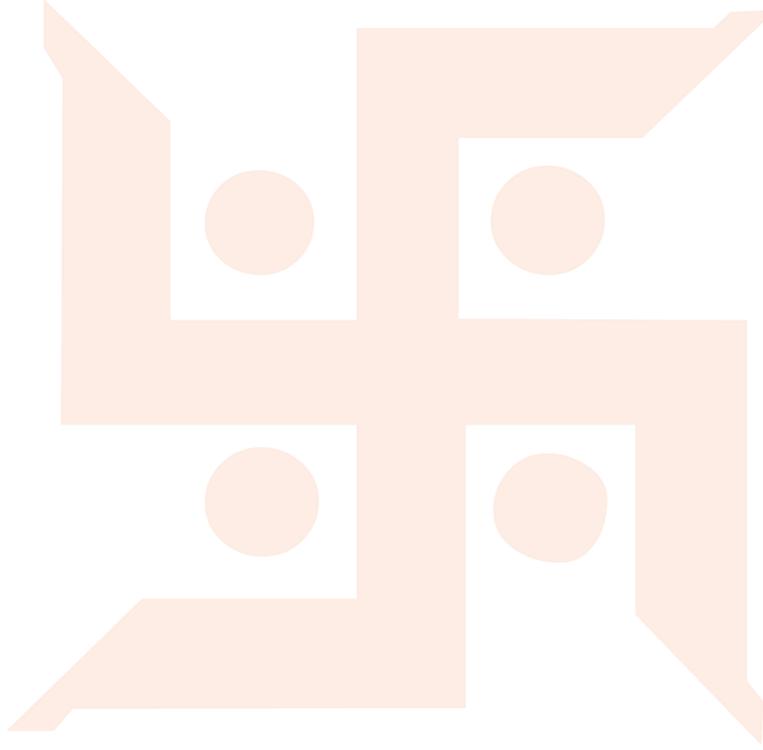
### भकूट

Rahul से Hh की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Hh से Rahul की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Rahul परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Hh घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

### नाड़ी

Rahul की नाड़ी अन्त्य है तथा Hh की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान

नहीं है। Rahul एवं Hh की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वास की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।



# मेलापक फलित

## स्वभाव

Rahul की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा Hh की राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर राशि है। अतः इसके प्रभाव से Rahul एवं Hh का दाम्पत्य जीवन में सामान्यतया मतभेद रहेगा तथा परस्पर प्रेम पूर्वक रहने के लिए यत्नशील रहेंगे। अतः मिलान सामान्यतया अनुकूल ही रहेगा।

Rahul की राशि का स्वामी शुक्र तथा Hh की जन्म राशि का स्वामी शनि परस्पर मित्र राशियों में पड़ते हैं। अतः सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति शुभ रहेगी। इसके प्रभाव से Rahul और Hh के मध्य सहयोग सदभाव तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। वे एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः परस्पर संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

Rahul और Hh की राशियां परस्पर चतुर्थ तथा दशम में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से दाम्पत्य जीवन में सुख शांति रहेगी तथा Rahul और Hh सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ होंगे। वे एक दूसरे की स्वतंत्रता तथा अस्तित्व का पूर्ण सम्मान करेंगे जिससे आपस में समानता एवं सदभाव का व्यवहार रहेगा तथा समय सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Rahul का वश्य मानव तथा Hh का वश्य जलचर है। मानव एवं जलचर में स्वाभाविक शत्रुता होने के कारण इनकी अभिरुचियों में असमानता होगी। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं अलग अलग होंगी जिससे काम संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Rahul का वर्ण शूद्र तथा Hh का वर्ण वैश्य है। अतः Rahul किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करेंगे तथा Hh की प्रवृत्ति धनार्जन के प्रति अधिक रहेगी तथा वणिक बुद्धि से अपने कार्यों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी।

## धन

Rahul और Hh की तारा सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में तत्पर रहेंगे। इन पर भकूट का प्रभाव भी सम ही होगा लेकिन Rahul पर मंगल का अशुभ प्रभाव रहेगा जिसके प्रभाव से समय समय पर आर्थिक उतार चढ़ाव का सामना कर सकते हैं। साथ ही लाभ एवं आय स्रोतों में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे।

इसके अतिरिक्त Rahul की प्रवृत्ति अनावश्यक रूप से व्यय करने की भी होगी जिसका आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। अतः उन्हें चाहिए कि अनावश्यक व्यय की इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखें तभी उनकी आर्थिक स्थिति अनुकूल रह सकती है।

## स्वास्थ्य

Rahul और Hh अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः एक ही नाड़ी में उत्पन्न होने के कारण उनका स्वास्थ्य नाड़ी दोष से प्रभावित होगा तथा शारीरिक रूप से दोनों अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। इसका मुख्य प्रभाव Hh पर रहेगा जिससे वह गले तथा फेफड़ों से सम्बंधित परेशानी महसूस करेंगी। साथ ही कफ या शीतादि से भी उन्हें शारीरिक परेशानी होती रहेगी। मंगल के दुष्प्रभाव से भी Hh को धातु या गुप्त रोगों से परेशानी रहेगी जिससे मासिक धर्म सम्बन्धी अनियमितता भी हो सकती है। अतः मंगल के दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए Rahul को नियमित रूप से हनुमान जी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए।

## संतान

संतति की दृष्टि से Rahul और Hh का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Rahul और Hh को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Rahul और Hh के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Hh का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Hh के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Hh सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Rahul और Hh को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Rahul और Hh का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

## ससुराल-सुश्री

Hh के सास के साथ संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी Hh को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः Hh को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ Hh के संबंध अच्छे

रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबंधों से Hh सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

### ससुराल-श्री

Rahul की सास से संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबंधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Rahul सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Rahul ससुर के साथ मधुर संबंधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Rahul के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबंध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।